

मूल्य 50.00 संख्या 2430

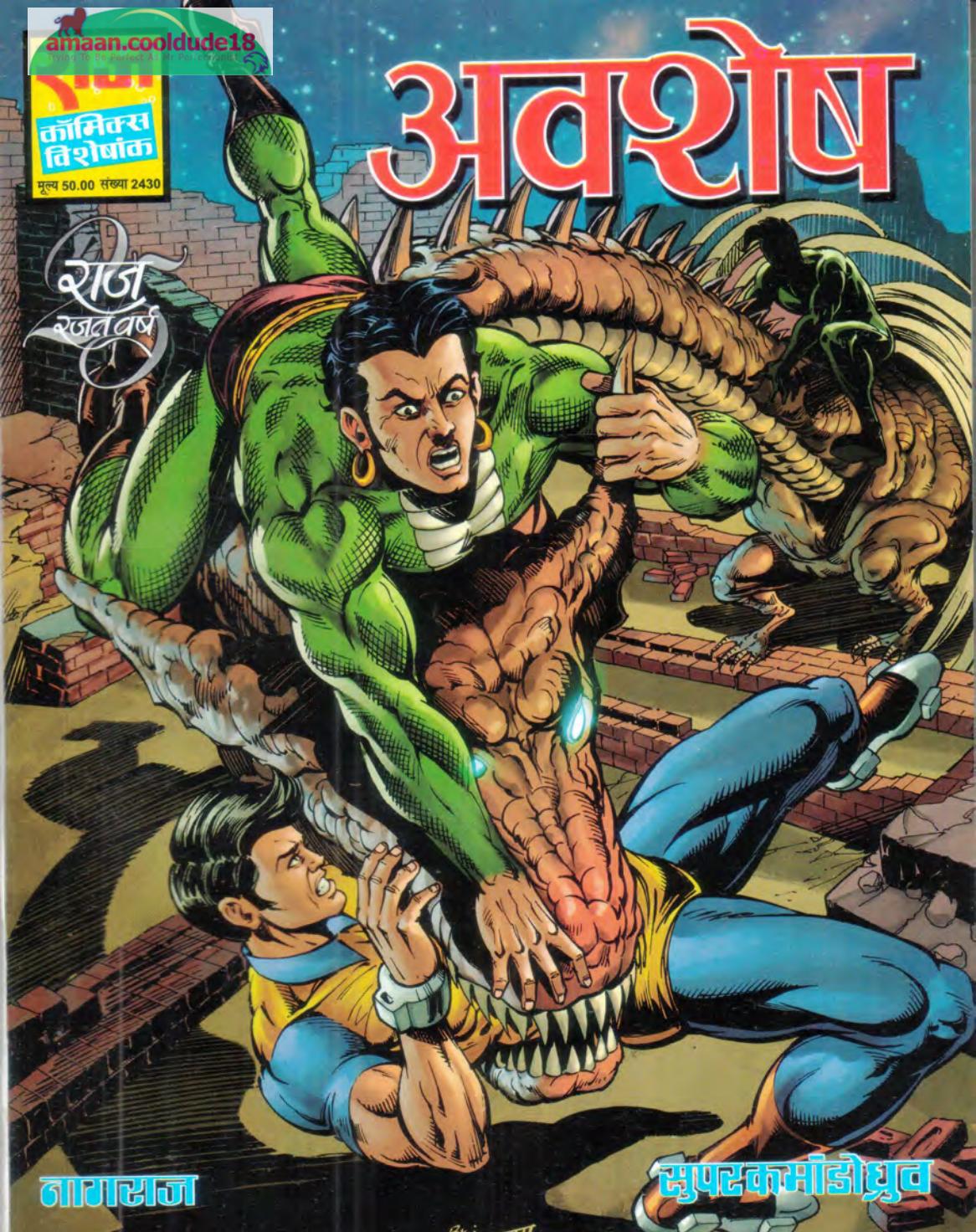
कॉमिक्स  
विशेषांक

# अवशोष

राजि  
रजतवर्ष

नागराज

सुपरकमांडो घृत्र



राजी संज्ञिता का ज्ञात इतिहास लगभग 11,000 वर्ष पुराना है। उसके पूर्व मानी जाने वाली किंवदंतियाँ या तो पौराणिक हैं और या फिर अंथरित्विश्वास।

हम मार्गते हैं कि आज का इंसान, विकास के उक्त सत्र क्रम का नवीनतम चरण है।

पर क्या ये सच है?

जवाब है। रणदौड़ा का ये प्राचीन खंडहर!

ये शहर तो प्लानिंग में आज पेरिस या मैनहटन को भी जात है सकता है। सोचकर आश्चर्य होता है कि पहले के इंसान का दिमाग भी इतना उन्नत था।

आश्चर्य तो ड्राशी बाकी है, मैंने इस खंडहर की कार्बन डेटिंग की है। उसके अनुसार ये शहर तब डिजाइन किया गया था जब इंसान आदिमानव था! शुकांडों में रहने वाला। लगभग 20,000

साल पहले।

जब ड्रास्टिरी हिमयुग लगभग समाप्त हो रहा था। यानी सच में इस नगर की उम लगभग बीस हजार साल की है।

इसंतवा यानी ये शहर इसाँनों ने नहीं उत्तियंस ने बनाया है!! ये तो रहस्य हो गया।

रहस्य नहीं ये हैं  
उन रहस्यों के...

संजय शुप्ता पेश करते हैं।

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

## अवशेष

कथा  
जॉली सिन्हा  
झनुपम सिन्हा

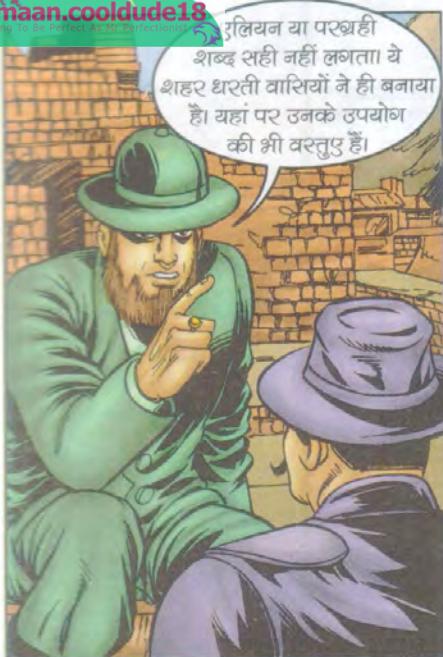
चित्रांकन  
अनुपम सिन्हा

इंकिंश  
विनित रित्तार्थ  
सागर थापा

कैलिग्राफी  
हरीश शर्मा

इफैक्ट्स  
शादाब,  
सुनील दस्तुरिया

सम्पादक  
मनीष शुप्ता





मी... मिस यामी ट्रैम्पेस्ट  
और... म... मिरोज रोजा ट्रैम्पेस्ट  
और मिस्टर डैविल ट्रैम्पेस्ट!  
फ्रॉम साउथ इंफ्रीका!

WEIRD NAMES!

जलदी में यही  
नाम मिले!

जलदी में!!  
द्वाषट दू यू मीन?  
पूरी बात  
तो सुनें! जलदी  
में यही नाम मिले...  
हमारे अभिभावकों  
को!

बैटस ड्रॉको!  
आपको ब्रिटेन  
से इंडिया जाने की  
झजाजत दी  
जाती है।

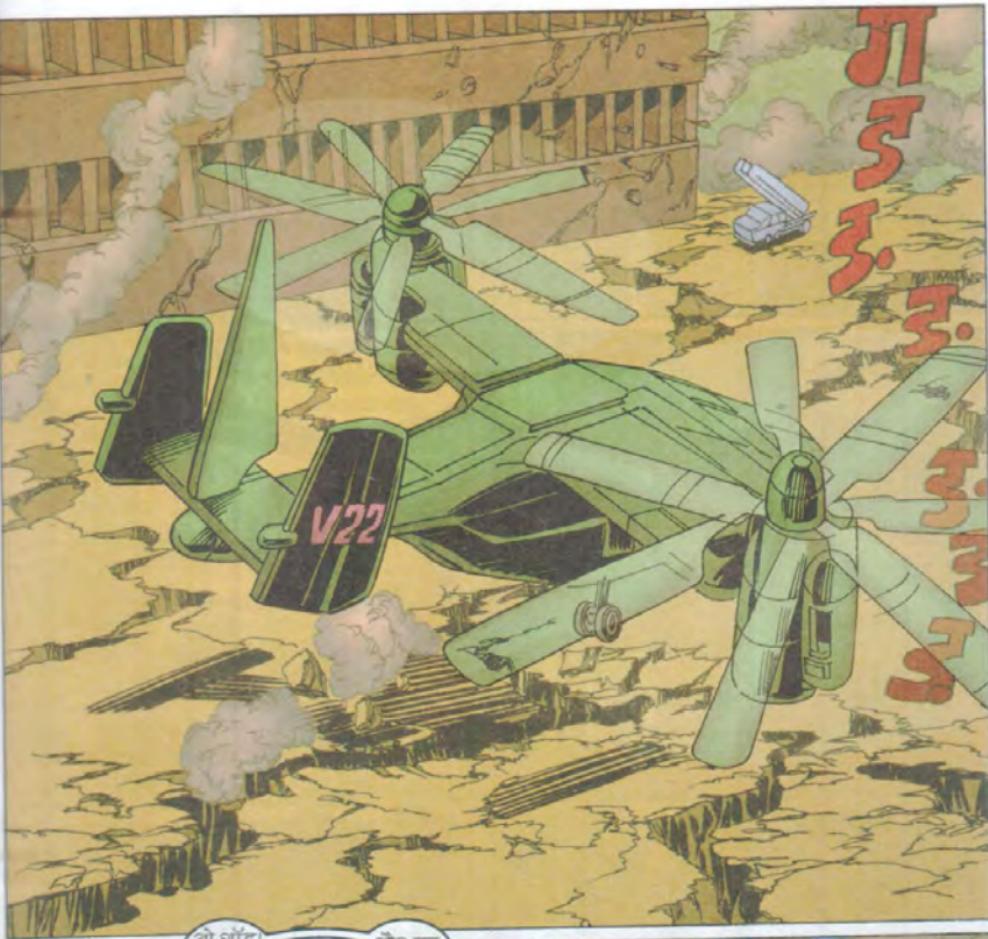


















भूकंप के तुक नहीं-

इलक अनेक विनाशकारी  
चढ़ाव होते हैं।

कुछ करो आर्हा! औंदर मिथाईल  
आइसो साइर्नाईट के कई ड्रम भरे  
रखे हैं। औंगर वै आग में जाने लगे  
तो महानगर में उक नया ओपाल  
बौस कांड हो जाएगा।

ओर, हम कोशिश कर  
तो रहे हैं। पर हम सिर्फ पानी  
लेकर आए हैं। और ये कोमिकल  
की आग सिर्फ पानी से बुझने  
वाली नहीं है।

फोम टैंक वाली  
आर्हा आ रही है। पर उसके  
पहुंचने में ड्राशी टाईम लगेगा।  
जब तक हम कोशिश  
करते रहेंगे।

तब तक तो सत्यानाश हो  
चुका होगा और, मेरा तो इसी  
धूंप से ड्रम ब्यूट रहा है।

ओफ! उक ड्रम फट गया  
है। बाब न तो धूंप को फैलने से  
कोई रोक सकता है और जा ही  
उक किलोमीटर के घेरे की  
आबादी को मरने से।

अब तो पानी श्री खात्म हो  
गया! बाकी कायर बिशेष लगता है जाम  
में फंस गए हौंथें। भूकंप के बाद तो  
सड़कों श्री दूढ गई हौंथें।

फिलहाल तो पीछे  
हटो! हमारे पास तो बौस  
मारक श्री नहीं हैं।

ये... ये  
क्या है?

सुनामी! सुना है  
भूकंप के बाद सुनामी  
आती है।

ये टॉर्नेंडो हैं। दविस्टर!

"दविस्टर बादलों से नीचे उतरता है। समुद्र में पैदा नहीं होता अब मूर्ख कौन?"

"हम दोनों पर आगर ये दविस्टर नहीं हैं, सुनामी नहीं है, तो किर ये हैं क्या?"





अब मुझे इस जहर को जहर से काटना होगा।  
पहले मैं इस जहर को पिलंगा।

और फिर फैक्ट्री के ड्राइवर फंकार छोड़कर  
यहाँ की वायु को इतनी विषमी कर दूँगा  
कि कोमिकल की आग को जलने के लिए  
आवश्यक जल मिल ही न पाए।















ध्रुव कुछ समझ नहीं पा रहा था।







तो ये लगा था  
तुम्हारे पीछे!! या तुम इसके  
आगे लगी थी?

मुझे तो यहीं उक कटाफट तरीका समझ में  
आया! पहले इसे पत्थर मार-मार जाराज किया फिर  
इसको आपने पीछे लगा कर वहां तक ले आई! अब यह  
सजक गया है! आपने शिकारियों का ही दुश्मन बन गया है।





फिलहाल हमें यहां से निकल जाना चाहिए!  
हमें शोच विचार और पूरी तैयारी के साथ वापस  
जाना होगा। तभी हम इस रहस्य की  
तह तक पहुंच पाएंगे।



तो ऐस हो जाए चंडिकार।  
सिर्फ पचास किलोग्राम की ही तो  
बात है। अरे। कहां शहरी?

चंडिकार!





...रिक्टर स्क्रेप पर 6.3

की तीव्रता वाले इस शूक्रप से  
जान-माल का ज्यादा नुकसान  
नहीं हुआ है। पर महानगर से  
लेकर राजनगर तक की तट  
रेखा पर कई हमारें और  
सार्वजनिक सुविधाओं को

नुकसान पहुंचा है।

आया

# भूकंप

इसके बावजूद ज्यादातर  
लोग इस शूक्रप को बरदान  
मान रहे हैं क्योंकि इसके  
कारण समुद्र के अंदर छपा उक  
उसा प्राचीन नगर बाहर आ  
ज्या है जो उक राज्य जितने  
बड़े उरिया में फैला हुआ है।

सरकार ने इसकी सुरक्षा का जिम्मा देना को सौंपने का  
फैसला किया है। इब इस शूक्रप पर हमसे चर्चा करने के

लिए रद्दियों में भौजूद  
हैं प्रसिद्ध भूगर्भ शास्त्री  
प्रक्षान सहाय।

दशकों को  
मेरा नमस्कार।

तो प्रक्षान जी, आपके इस  
भूकंप और उसमें उभरे प्राचीन  
नगर पर क्या विचार हैं।

बगर के बारे में निश्चित  
तौर पर तो प्रामाणिक  
जांच के बाद ही कुछ  
कहा जा सकता है। बस  
अभी इतना कह सकता है  
कि ये बगर प्राचीन है।

पर हां इस क्षेत्र में उसा  
भूकंप आना आश्चर्य का  
विषय डावश्य है। क्योंकि  
ये क्षेत्र किसी भी  
फॉलटलाइन के आस-पास  
तक नहीं है। मुझे तो उसा  
लगता है कि इसकी  
जिम्मेदार प्रकृति नहीं...

"बल्कि इसान हैं। हम हैं।"

EUROPE!

आरे, आप कहां रह गए थे  
प्रोफेसर सिरी हमने आपसे संपर्क करने  
की कितनी कोशिशें कीं।

आपका ब्रेन चाइल्ड प्रोजेक्ट  
सफल रहा हमने 23 विलासीटर  
बंडी विशाल सुंग भूमि में सब एटोमिक  
कर्णों को प्रकाश की शक्ति तक पर  
टकराने का काम सफलता पूर्वक  
अंजाम दिया है! THIS HEDRON  
COLLIDER WORKS!





"फिलहाल तो आर्मी ने छास धारोहर की सुरक्षा का जिम्मा ले लिया है।"



हंसान किसी भी  
प्राचीन नगर में  
कदम रखने  
की हक्मत बहीं  
करेगा।



"और सौआश्व से मैं दुसी  
उक यूनिट को जानता हूँ।"

मिस्टर नागराज  
शाह! मैनेजर ड्रॉफ  
स्नेक आईज?

यस?

हैलो, मिस्टर शाह।  
मैं वेर्टर्ट आर्मी कमांड  
का इंचार्ज बिल्डिंगर जनरल  
सैम हांडा हूँ। हमने सुना है कि  
स्नेक आईज के बाइंस हाईली  
ड्रेड हैं और वे किसी चीज  
से भी जही डरते!

रिवा मेरे...

ओफ कोर्स! हाहाह!  
हम आपको उक कॉट्रैक्ट  
देना चाहते हैं। राजनगर के तट  
के पास उभरे प्राचीन नगर  
के बारे में तो आपने सुना  
ही होगा!

सुना है और  
उसके बारे में कुछ ड्रफवाहे  
श्री सुन रहा हूँ।

वे ड्रफवाहे खच  
हैं। हमारे सैनिक तक  
नाकाम रहे हैं। ड्रब उसकी  
सुरक्षा का जिम्मा हम  
आपकी उज़ंसी को  
देना चाहते हैं।

आप जो श्री  
चार्जेंस बताएंगे, हमें  
मंजूर होंगे।

देश की धरोहर  
की सुरक्षा का दाम लगाना  
मुझे नहीं आता। उसकी  
सुरक्षा करजा हमारा  
सौआश्व होगा।

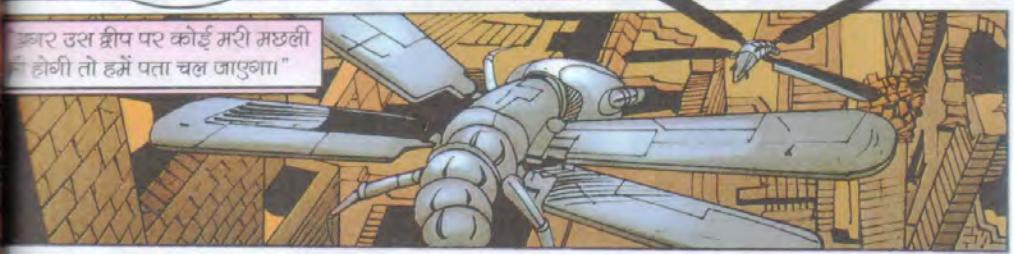
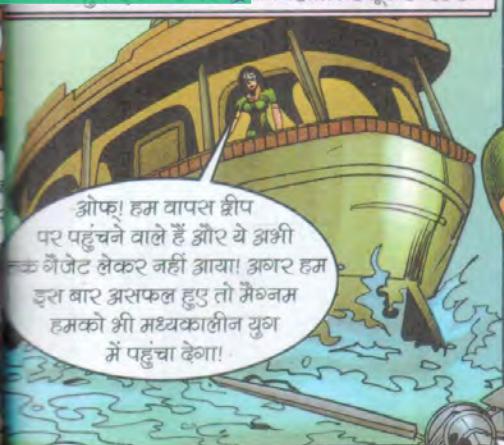
महानगर-







उपन आते महसूस हो रहे हैं।"









वह शख्स वे भल गया कि क्ये तो इन सर्पों की नजरों से ओङ्कल हो सकते थे-

















मेरा काम तो पूरा हो भया है। पर डमोर को यहां छोड़ कर जाने का आर्थ है पूरे ऑपरेशन को खतरे में डालना।

ठीब मुझे भी इस लड़ाई में बचना होगा।



नागराज ने दोनों हमलावरों को आपने शिकांजे में कर संक्षिप्त था। उनका आग पाना आसंभव था।



पर उनका रुक पाना भी उतना ही नामुकिन था। अब सारा खेल किसमत पर बिश्वर था।



रुक जाओ, नागराज। मुझे और डमोर को आजाद करो। वर्ना मैं इश्वर की लड़की को इसकी जिंदगी से आजाद कर दूँगी।



ठीक है। मैं डापने सर्पों को वापस बुला लेता हूं। तुम इसे छोड़ दो।

जानी जानेवाला!  
अङ्गी मुझमें हृतना दग्ध है  
कि आपने आप को छिंदा  
रखा रखा।

अमोरा! तैयार  
रही। मैं ESCAPER  
को उकिटवेट कर  
रही हूं।

आशने की कोशिश  
कर के श्री देख लो! मेरी  
तंत्र शक्ति तुमको आलजे  
नहीं देती।

आओ! ये  
सचमुच मुझे जाने नहीं  
देती। और इधर हम समय  
पर सूचना M तक नहीं  
पहुंचा पाएंगे तो...

ऐसा नहीं होगा!  
सूचना पहुंचने के लिए मुँह  
की जस्तरत होती है।

हाथ की  
नहीं।

मैं समझ शई,  
अमोरा! आब हमारा मुँह M  
तक जस्तर जाऊगा!





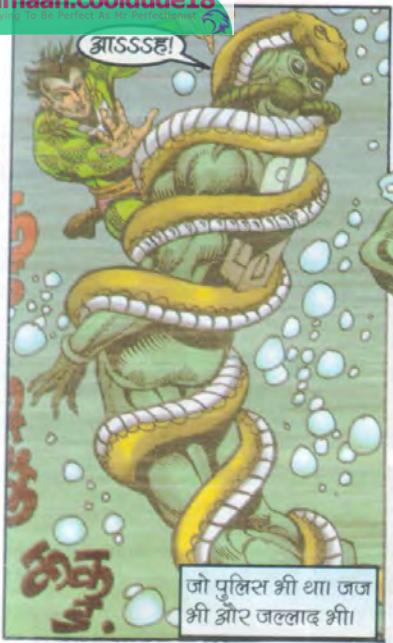
और ड्राइर ये काम आसान होता तो M हमको कभी नहीं चुनता M की समझदारी पर अरोसा रखो! ये तो M के दुश्मन भी माजते हैं...











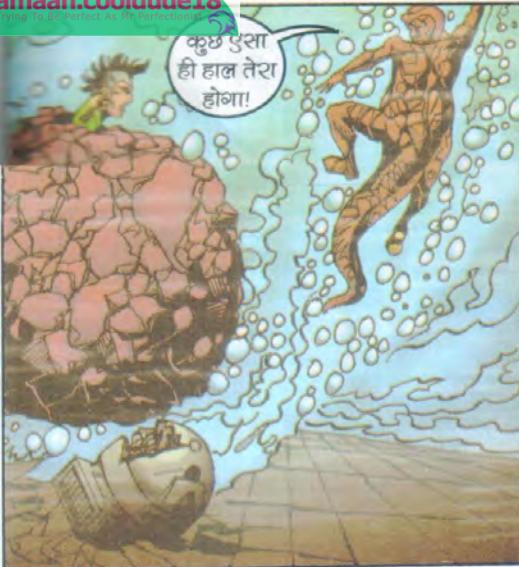






त होगी नागराज के भ्रंत की!"





ठीक है प्रस्तरपा!  
आगर मैं नहीं बचा,  
महानगर नहीं बचा,  
तो तुम श्री नहीं  
बचोगे!!

फटने वो  
बम को!



छोड़...छोड़  
दे, नागराज! जाने  
दे मुझे।

तु बम को बड़ेर  
डिफ्यूज किए यहां से  
नहीं जा सकता!

मैंने देसा किया  
तो मैंवजम मुझे जिंदा  
नहीं छोड़गा!

वैरो श्री...



धर्मल ब्लास्टर को  
उक बार उकटीवेट हो जाने के बाद  
बंद नहीं किया जा सकता!

अब तो ये  
फट कर ही  
रहेगा!



वैरो तु अपनी ओर  
महानगर वालों की चिंता  
करा मुझे तो यह धर्मल  
ब्लास्ट श्री जयादा नुकसान  
नहीं पहुंचा पाएगा।



बम फटे या न  
फटे, सोचने का यह  
मुद्दा नहीं है...



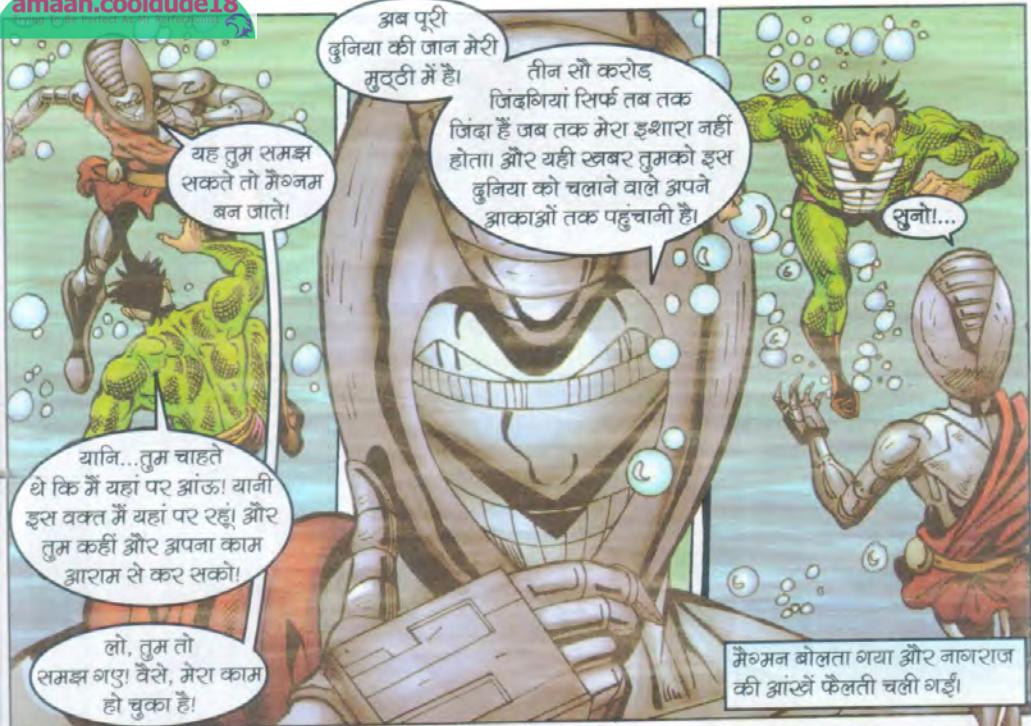
मुद्दा यह है कि  
बांध को ढूँजे से कैसे  
बचाया जाए?



मेरे शरीर पर लिपटी  
जहरीली कोशिकाएं भी  
इसी के प्राणतंत्र से जुड़ी  
हुई थीं। इसीलिए इसके  
नष्ट होने के साथ-साथ  
मेरे शरीर पर लिपटी इसके  
पाषाण सर्पों की कोशिकाएं  
भी नष्ट हो रही हैं!









"पूरी दुनिया के चर्पे  
पर फैल जाड़ो।"

मरने या मारने  
का वक्त आ भया है  
मेरे नालों..."

"झौर मैशन के हर ठिकाने को तबाह  
कर दो। चूहा तभी बिल से बाहर आता है।"

पर तब कोई क्या करे-

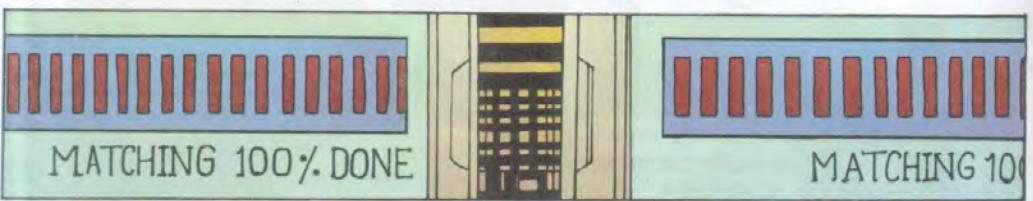
जब चूहा बिल में ही ना हो।

हमने मैशन के  
सभी ज्ञात ठिकानों पर रेड  
की पर कुछ पता नहीं चला! बल्कि  
कुछ ठिकानों पर तो मुझे उसा लगा  
जैसे कि मैशन को हमारे आने की  
खबर हो गई हो और वह  
तुरंत-तुरंत ही वहां से  
निकला हो।

इसका मतलब  
कोई हमारे मूर्मेंट की खबर  
मैशन तक पहुंचा रहा है। कौन  
हो सकता है वह शास्त्री।

मैशन का पता रिपर्ट तुक शास्त्री जानता था।-

इसी का  
तो पता लगाना  
है, सौडांडी झार  
हम उस शास्त्री  
तक पहुंच गए तो  
मैशन भी हमारे  
सामने होगा।



देने का वक्त आ गया है।"





फिर उक ड्रौर बोर  
दिन! जाकर कंट्रोल पैनल  
के सामने बैठ जाओ और नजरें  
दौड़ाते रहो। कुछ उकसाइंग  
होना चाहिए यार!

हाँ यार! पिछली बार पावर  
यहां सौ शाल पहले बर्झ थी। वह  
बी पांच मिनट के लिए।  
सुन हड्डताल  
करते हैं।

किस बात पर? ऐसे भी  
मोटी हैं। सारी सुविधाएं की में मिलती  
हैं। और क्या चाहिए?

तो फिर अभवान से  
दुआ मना कि शुक्रमय डा जाउ  
और ये बिलिंग ही गिर जाए।  
उकसाइंग में भी होणा ड्रौर  
छुटी भी मिलेगी।



अभवान तो नहीं...



पर शैतान जरूर उसकी  
सुनने वाला था।

सुनो महानजर के  
वासियों! तुम्हारी उड़मिनि-  
स्ट्रेटिक काऊंसिल को मैंने आपनी  
शर्तें मानने के लिए उक दिन का  
समय दिया था। ड्रौर उसमें सिर्फ  
पांच मिनट बचे हैं...



लो नाभराजा।  
तुम यहां पर हमको  
आपनी नाकामयाकी की  
खबर भुजाने डाए थे। ड्रौर वहां  
पर मैंनव आपनी कामयाकी  
का लहराता झंडा दिखा  
रहा है।

अभी पता चल  
जाएगा कि ये ब्लफ़ मार  
रहा है या नहीं।

ये इसको पकड़ने  
का अस्त्र मौका है,  
काऊंसिलर!

मैंनव इतना  
मुर्ख नहीं है। ये उसकी  
लेजर इमेज है। इसके पास जो  
कुछ भी जाएगा खाक  
हो जाएगा।

इस इमेज को ट्रैश  
करो! पता करो कि ये कहां से  
प्रोजेक्ट की जा रही है।

ये इस छामे का सिर्फ़ आद्या भाग था।

आकी आद्या आओ यहां पर लेका जाना था।

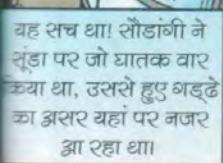
समझ में नहीं आता!  
पहले से ही गिराने के लिए  
तैयार इमारत को गिराने के  
लिए ये नमूने कहां से आ रहे  
हैं ड्रौर क्यों आ रहे हैं?

हमारे काम सवाल  
पूछना नहीं सुरक्षा करना है।  
और वह हम आपनी जान  
देकर भी करेंगे।









सौंडांबी ड्रापनी जाव द्वांव पर  
लगाकर ड्रापने कर्तव्य को  
पूरा कर रही थी!

आहाहाह! मैंने शीतजाग  
ओर नाणू को श्री यहां पर बुला  
तो लिया है। लेकिन पता नहीं उनके  
यहां पर आने तक मैं टिकी रह  
पालंबी या नहीं!

उम्मफ़!  
आहाहाह! मैं छरे तोड  
नहीं पा रहा हूं।

मदव अशी पहुंची नहीं थी ओर  
सौंडांबी की शक्ति क्षीण होने  
लगी थी।

हाहाह! ये  
गिर रहा है मिट  
रहा है।

देखो। मैंने  
कुछ किया भी नहीं और ये  
विनाश शुरू हो गया।

अब ये पूरी इमारत  
बिरेशी और महानगर का  
उक आश अंदरे में छब जायुआ।  
झंगेरा जो पिछले सीं सालों में  
कहीं नहीं हुआ।

पर ये इमारत गिर  
कर्यों नहीं रही है। अब तक तो इसको  
गिर जाना चाहिए था।

बस, कहीं कोई  
बड़बड़ जा हो।

बड़बड़ तो हो चुकी थी। पर सौंडांबी के  
लिया उसके होश तेजी से भूम हो रहे थे।



ओर मदव अशी श्री दूर थी।





उम्मफ़! नहीं कर सकता! बालों ने परे ढांचे को धोर लिया है।



तो आब हम यहां पर नहीं रहेंगे! मुझे तो यहां पर खतरा महसूस हो रहा है... वापस चलो!



हुम! न मुझे आपने यहां पर आ जाने का कारण समझ में आ रहा है। और ना ही इनके आजे का कारण!

सौडांगी तुम कहां आरे... नागरानी!



हम यहां पर कैसे? और सौडांगी को क्या हुआ?

ये आपनी जान की परवाह न करते हुए इस खांडहर को बचा रही थी।

आगे मैं वक्त पर न आती तो न तो खांडहर बचता और न ही सौडांगी।

पर इस पर हमला करने वाले थे कौन?

सौडांगी!

सौडांगी?  
मतलब! दूसरी सौडांगी!!!



दूसरी सौडांगी!  
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! तुम बताओ कि ये सब क्या हैं। इन खांडहरों में उन्से कौन से हीरे-जवाहरत जड़े हैं जिनको बचाने के लिये तुम लोग मरने को भी तैयार हो।



मैं कुछ-कुछ समझ रही हूं। ये जस्खर किरणी दूसरे इस आयाम में आजे का डायमेंशन का चक्रकर हैं। उन्से ही किसी दूसरे डायमेंशन का जाहाज मैं आई हूं।

उस आयाम से इधर आजे वालों के ईरादे क्या हैं। यह मैं नहीं जानता और न ही जानना चाहता हूं।  
और तुम्हारा आजा इस बात का सबूत है कि ये खांडहर उक आयाम द्वारा हैं।

मूल दानवों तो  
गो मददे नजर रखें  
हुए हमें इस नगरी  
को ध्वस्त करना  
पड़ेगा।

पर पहले जागरात से  
सलाह करनी होगी। बताओ कहां  
पर मिलेगा जागरात। मैं सौड़ांगी  
को लेकर उसके पास जाऊंगी।  
और उसकी राय जानूंगी।

नाभराज  
तो महाकवर में ही  
मिलेगा। पर किस  
स्थान पर यह बताना  
मुश्किल है।

नाशराज की  
सहमति मिलते ही हमको इरा-  
नगरी को नैस्तनाबुद् करना  
होशा, नाश!

उक्तदम शाँट  
नोटिस पर!

ये स्पैशल  
इफैक्ट डिपार्टमेंट तो  
अपना हैं, शीतू!

बस तु देखता जा!  
ऐसे उडाऊंगा इस महाक्षीप  
को जैसे तुने आसलियत तो ढूर  
किसी हॉलीवुड फिलम में  
नहीं देखा होगा।

मैरानम के दावे में दम लग  
रहा है। अगर ये बात जनता तक पहुंच  
गई तो चारों तरफ बढ़वारी का  
माहौल फैल जाएगा।

ऐसा नहीं  
होगा।

नागराजा!

तुमने-तुमने मैथनम  
को देखा! उसने पाँवर घिंड  
की झमारत बिरा दी।

सौडांगी तुम  
कहां थीं?

मैवनम के  
दिखाने की खबर  
पाकर पॉवर ग्रिड  
की मैन बिल्डिंग की  
तरफ चली गई थी।

पर ...मेरे वह  
पहुंचने तक वह  
चुका था।

हमें-हमें  
को ढूढ़ना होगा  
नाभराज!

अब उसको  
दूँढ़ने की जस्तरत नहीं  
पड़ेगी, सौडांगी।

क्योंकि आज  
से ...अब से वह मुझे  
दूँढ़ेगा।

क्योंकि जिस प्राचीन नशी को वह शिराना चाहता है।

उसे मैं किसी  
श्री कीमत पर बिरने  
नहीं दूँगा।

मैं स्वुद जाऊंगा उस  
प्राचीन नवारी की रक्षा करने  
के लिए। आब जो वहां से उक ईंट  
श्री हिलाऊंगा। वह मौत से  
साक्षात्कार करेगा।

उक तरफ प्राचीन नवारी को नेस्तानाबूढ़ करने का ढूँढ़ इराब  
और दूसरी तरफ ये महाशाक्तिशाली नाभाराज की शपथ।

क्या? सूर्य से सूर्य टकराऊंगा और आसमान हो जाऊंगा लाल?

जारी रहेगी ये  
चुनौति